129

निर्णय लिया गया कि जिले में ही प्रशिक्षण देने की व्यवस्था की जाय। खादी संस्था/समितियों के पास कुशल प्रशिक्षक हैं तो उनका उपयोग किया जाय। ग्राम निर्माण मण्डल, गया द्वारा भी कुशल प्रशिक्षक उपलब्ध कराया जायेगा। प्रशिक्षण में होने वाले व्यय का वहन् बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, पटना द्वारा किया जायेगा।

16/10/17

मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी

ज्ञापांक – ख्या०/138 पटना, दिनांक-17/10/2017

प्रतिलिपि:- उपर्युक्त सभी सदस्यों को सूचनार्थ प्रेषित।

मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी
16/10/17

दिनांक–06.10.2017 को मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, पटना के अध्यक्षता में हुई बैठक की कार्यवाही :–

उपस्थिति :–

1. निदेशक,
   राष्ट्रीय फैशन टेक्नोलॉजी संस्थान (निफ्ट), मीठापुर के प्रतिनिधि
2. श्री सुरेश कुमार,
   उप उद्योग निदेशक,
   उद्योग विभाग, बिहार, पटना
3. श्री अलीम अंसारी,
   रेशम बुनकर खादी ग्रामोद्योग संघ,
   नाथनगर, भागलपुर
4. प्रशाखा पदाधिकारी
   बिहार राज्य खादी ग्रामोद्योग बोर्ड, पटना

बैठक में निम्न बिन्दुओं पर विचार किया गया–

1. खादी पुर्नरूद्धार योजना अन्तर्गत संस्थाओं को कार्यशील पूँजी उपलब्ध कराये जाने के संबंध में दिनांक–12.07.2017 को हुई गत बैठक में 50 नग अधितम सीमा (Upper Limit) पर कार्यशील पूँजी उपलब्ध कराने पर विचार किया गया था, जिस पर पुर्नविचार करते हुये बिहार अवस्थित संस्था/समिति को उपलब्ध कराये गये त्रिपुरारि मॉडल चरखा के आधार पर कार्यशील पूँजी भुगतान करने का निर्णय लिया गया। कार्यशील पूँजी के लिए खादी संस्था/समिति आवेदन करेगी।
2. खादी पुर्नरूद्धार योजनान्तर्गत 17 संस्था/समितियों को 600 (छः सौ) नग कटिया चरखा क्रय करने हेतु 50% राशि भुगतान की गई है, जिन्हें भी कार्यशील पूँजी उपलब्ध कराया जाना है। श्री अलीम अंसारी, रेशम बुनकर खादी ग्रामोद्योग संघ, नाथनगर, भागलपुर ने कमिटी को बताया कि कटिया चरखा पर कार्यशील पूँजी की गणना कर कार्यालय को अवगत कराया गया है। जिस पर विमर्शोपरान्त यह निर्णय लिया गया कि जिन संस्था/समितियों कटिया चरखा उपलब्ध कराया गया है, उन्हें कार्यशील पूँजी उपलब्ध कराया जाय। प्रति चरखा कितनी कार्यशील पूँजी की आवश्यकता होगी, इसपर खादी बोर्ड द्वारा विमर्श किया जायेगा।

श्री प्रभाकर कुमार, अध्यक्ष ग्राम निर्माण मंडल, गया को बताया गया कि बिहार के संस्था/समितियों को उपलब्ध कराये गये त्रिपुरारि मॉडल चरखा के संचालन एवं तकनीकी जानकारी दिये जाने के लिए प्रशिक्षण देने की आवश्यकता है। बैठक में